

अंतःप्रेरणा

रामभाऊ म्हाळगी प्रबोधिनी
Rambhau Mhalgi Prabodhini

**ATAL
INCUBATION
CENTRE**

Supported by Atal Innovation Mission, NITI Aayog



Newsletter

Atal Incubation Centre – Rambhau Mhalgi Prabodhini (AIC-RMP)

Supported by Atal Innovation Mission, NITI Aayog

VOLUME 1 | ISSUE 2

AUGUST 2019



बैटरी संचालित वाहनों का निर्माण – भारत के सर्वांगीण विकास की नई परिभाषा



डॉ. उन्नत पंडित

(कार्यक्रम संचालक, अटल इनोवेशन मिशन, नीति आयोग)

दो-पहिया और ति-पहिया पारंपरिक वाहनों को बैटरी से चलने वाले वाहनों में परिवर्तित करने का एक सराहनीय कदम नीति आयोग द्वारा लिया गया है। सभी संलग्न निर्माता कंपनियों को रणनीति तैयार कर के 2023 तक पूरी तरह बैटरी से चलने वाले ति-पहिया वाहनों को अपनाने का और 2025 तक 150 सीसी तक की क्षमता वाले दो-पहिया वाहनों को पूरी तरह बैटरी आधारित करने का लक्ष्य रखा गया है। इस मुलभूत परिवर्तन की आवश्यकता क्यों है, इस बात को जानना जरूरी है और हाल में बैटरी से चलने वाले वाहनों को व्यवहार में लेने में भारत को किन चीजों पर जोर देने की आवश्यकता है इस बात पर, सभी वाहन निर्माताओं द्वारा मंथन करके रणनीति तैयार की जा रही है।

भारत में दो-पहिया वाहनों की बिक्री 2017/2018 तक के डाटा से पता चलता है की सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई। 2017/2018 में, भारत में कुछ दो करोड़ से ज्यादा यूनित बेची गई। यह आंकड़ा 2010/2011 की बिक्री की तुलना से लगभग दोगुना है, जब भारत में सिर्फ 1.17 करोड़ दो-पहिया वाहन बेचे गए थे। (दो-पहिया वाहनों की इस गिनती में स्कूटर, मोटरसाइकिल और मोपेड शामिल हैं।) आज भी भारत में सभी दो-पहिया और ति-पहिया पारंपरिक वाहनों को भारत स्टेज 4 उत्सर्जन मानदंडों से बेचे जाते हैं जो हाल के पर्यावरणीय मानदंडों में घातक माना जाता है। 2016 में, भारत सरकार ने घोषणा की थी की देश भारत स्टेज 5 मानदंडों को पूरी तरह

से छोड़ देगा और 2020 तक भारत स्टेज 6 उत्सर्जन मानदंडों को अपनाएगा और उसी समय बैटरी से चलने वाले वाहनों के प्रयोग को भी बढ़ावा देने पर जोर दिया गया था। भारत में इस निर्णय के साथ ही बैटरी संचालित ई-रिक्शा और अन्य 50 सीसी की क्षमता के वाहनों का इस्तेमाल भी शुरू हो चुका था। सर्वोच्च न्यायालय ने भी अपने एक फैसले में, 1 अप्रैल, 2020 से पूरे देश में उत्सर्जन मानक भारत स्टेज 4 के अनुरूप मोटर वाहनों की बिक्री और पंजीकरण पर प्रतिबंध लगा दिया है।

दिल्ली स्थित विज्ञान एवं पर्यावरण केंद्र द्वारा नियमित रूप से वाहनों के द्वारा हो रहे वायु प्रदूषण पर चिंता जताई गयी है, दिल्ली की प्रमुख सड़कों के किये गए एक सर्वेक्षण में पता चला है की पारंपरिक दो-पहिया और ति-पहिया वाहनों, अपनी औसतन गति से 50-60 प्रतिशत कम रफ्तार से जा रहे हैं और यही हाल भारत के अधिकतम प्रमुख शहरों का भी है। इन वाहनों के द्वारा सफर में अपने व्यस्ततम समय और गैर-व्यस्ततम समय के बीच यात्रा करने में लगने वाले समय में लगभग कोई अंतर नहीं रहा है। सप्ताह के दौरान यातायात की तुलना में, सप्ताहांत यातायात की गति और भी बदतर हो रही है। यातायात की भीड़ प्रमुख रूप से दो-पहिया और ति-पहिया द्वारा प्रेरित वायु प्रदूषण अधिकतर शहरों में बढ़ रहा है, और जब औसत सुबह गैर-व्यस्ततम समय की गति 35-40 किमी / घंटा से शाम के व्यस्ततम समय के दौरान 20-25 किमी / घंटा तक चली जाती है, तब वाहनों से निकलने वाले प्रदूषित वायु की मात्रा 38 प्रतिशत बढ़ जाती है।

विश्व बौद्धिक सम्पदा संस्थान में पंजीकृत डेटाबेस से पता चलता है की विश्व में 189,880 वाहनों से जुड़े अनुसंधानों के लिए पेटेंट के आवेदन किये गए हैं। जिस में भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में आने वाले पेटेंट कार्यालय द्वारा कुल 31825 पेटेंट सभी प्रकार के वाहनों से जुड़े आविष्कार को दिए गए हैं। जिसमें पिछले दो दशक में 1900 पेटेंट के आविष्कार बैटरी से जुड़े वाहनों के लिए किये गए हैं। इन पेटेंट में प्रमुख वाहन निर्माता कंपनी TVS द्वारा 691 और हीरो द्वारा 93 और बजाज

ऑटो द्वार 65 पेटेंट के आवेदन किये गए हैं। पेटेंट के आवेदन किये गए अनुसंधान को व्यावसायिक तौर पर प्रयोग में लाने की आज आवश्यकता है।

लेकिन कुछ प्रमुख कंपनियों ने सरकार और सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों को अपनी स्ट्रैटेजी में शामिल नहीं करते हुए भारत स्टेज 6 उत्सर्जन मानदंडों में ट्रांसफॉर्मेशन कर के दो-पहिया और ति-पहिया पारंपरिक जीवाश्म ईंधन वाहनों के उत्पादन के लिए हाल-फिलहाल में 60 से 70 हजार करोड़ रुपये खर्च किया है। अब उन्हें तत्काल बैटरी संचालित वाहनों के विनिर्माण में उतरना पड़ा तो इससे उनके आर्थिक निति की हालात और खराब होंगे।

कई देशों ने बैटरी संचालित वाहनों पर आधारित परिवहन नीति को अपने आर्थिक निति के मूल तत्व के रूप में शामिल किया है। उनकी प्रतिक्रियाएं आर्थिक और संतुलित विकास के अपने इस चरण में ऊर्जा संसाधन की आवश्यकता, तकनीकी क्षमताओं और जलवायु परिवर्तन के लिए प्रतिक्रियाओं की राजनीतिक प्राथमिकता को साकार करना है। इस प्रतिबद्धता के साथ भारत को अपने परिवहन ईंधन के 80 प्रतिशत से अधिक तेल को आयात पर भी संतुलन करने की आवश्यकता है। लेकिन यह भी पहलु महत्वपूर्ण है की इन कंपनीओ के पास बैटरी संचालित वाहनों के उत्पादन के लिए तकनीकी तौर पर अपने ही आविष्कारो जिस के लिए उन्होंने पेटेंट ले राखी है, उन्हें व्यवसायिक तौर पर इस्तेमाल करने का मौका भी है।

बैटरी में प्रमुख रूप से लिथियम मेटल का विशेष प्रचलन है और लैटिन अमेरिका में विशेष रूप से बोलीविया में दुनिया के लिथियम भंडार का एक चौथाई हिस्सा अपने पास रखने के लिए जाना जाता है। हाल ही में एक संयुक्त उद्यम प्रयास में मारुति सुजुकी, महिंद्रा एंड महिंद्रा द्वारा लिथियम तक सौधी पहुंच पाने के लिए लैटिन अमेरिका में साझा प्लांट स्थापित करने पर अपनी सहमति जताई है। इस सहमिति के जरिये भारत में बैटरी उत्पादन करने की अपनी योजनाओं में इलेक्ट्रिक दो-पहिया और ति-पहिया वाहनों, मोटर्स और अन्य घरेलू कंपनियों को मदद मिलेगी। मारुति सुजुकी - जापान की सुजुकी मोटर की भारतीय इकाई - सबसे बड़ी वाहन निर्माता कंपनी है।

तोशिबा और डेंसो के सहयोग से पश्चिमी राज्य गुजरात में लिथियम आयन बैटरी विनिर्माण सुविधा का निर्माण करने के लिए इसने 1.15 अरब रुपये रखे हैं। महिंद्रा एंड महिंद्रा अपनी विस्तार योजनाओं पर 1 अरब रुपये का निवेश करेगी, जिसमें मुंबई के पास चाकन में एक नया बैटरी विनिर्माण संयंत्र स्थापित करना शामिल है। कंपनी ने सुविधा में दक्षिण कोरियाई एलजी केम के साथ भागीदारी की है। बैटरी संचालित वाहनों के आलावा उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे अन्य अंत-उपयोग उद्योगों की वृद्धि से देश में छोटी धातुओं और दुर्लभ धातुओं की मांग बढ़ने की उम्मीद है, जिसमें एक मध्यम वर्ग और एक अर्थव्यवस्था सालाना लगभग 7% बढ़ रही है। इस बीच, अन्य कंपनियां घरेलू स्तर पर दुर्लभ धातुओं को ढूंढना चाह रही हैं। भारत में लगभग 69 लाख मैट्रिक टन दुर्लभ धातु है जो की दुनिया के पाँचवें हिस्से के बराबर है पर खासकर व्यावसायिक उपयोग के लिए उनका उत्पादन बेहद कम रहा है। इस नए सराहनीय प्रयास के द्वारा देश को कई अन्य विकल्पीय आर्थिक स्तर पर भी फायदा पहुंचने की उम्मीद है।

INDEX	Page
• Feature Article by Dr. Unnat Pandit, Programme Director: AIM, NITI Aayog	1
• Launch of the 1 st issue of Newsletter 'अंतःप्रेरणा'	3
• AIC-RMP Collaborations	4
• 2 nd Experts Meet	6
• Training Programme	7
• New India Startup Conclave	8
• कृषी संवेदना – Series १	12
• Photo Gallery	13

Launch of the 1st issue of Newsletter 'अंतःप्रेरणा'



The first issue of AIC-RMP's newsletter - 'अंतःप्रेरणा' (Self-Inspiration) was released in the presence of Nagendra Nath Sharma, Associate Professor & Chairperson, India Centre for Public Policy (ICPP), Birla Institute of Management Technology (BIMTECH) and Panjak Prakash, Entrepreneur, Happa Foods.

The Centre hopes that these periodic insights into the startup ecosystem would motivate the youth to unearth their entrepreneurial potential enabling social impact.



"Impressed"! I can sum up my response in this one word, for the first Newsletter of AIC-RMP! Good to note so many meaningful projects, events and initiatives that the team has undertaken since last couple of months. Wishing all the success to Team AIC-RMP in every way that it desires and deserves!

Atul Bhide
(Mentor, AIC-RMP)

3

Collaborations

3.1 Collaborations with Academic Institutions

- SGGS Institute of Engineering & Technology, Nanded
28th May, 2019



- St. Francis Institute of Management & Research, Borivali, Mumbai
30th July, 2019



3.2 Collaboration with Corporate

13th May, 2019



Headquartered in Massachusetts, U.S.A , MathWorks is the leading developer of mathematical computing software for engineers and scientists. It has offered access to their software tools to AIC-RMP Startups. It will make available an online portal through which startups can register for access.

3.3 Smart India Hackathon : Hardware Edition, 2019



IIT-Bombay was one of the Nodal Centres for The Grand Finale of Smart India Hackathon (SIH) 2019 - Hardware Edition. It was held at the Computer Centre of IIT Bombay from 8th – 12th July, 2019. Nine teams from all over the country participated in this final round. They showcased their proto-types / models solving different problems based on the themes suggested by various Ministries, Corporates, Industries, PSUs and NGOs.

The themes at this Centre were around:

- Agriculture and Rural Development
- Health Care and Biomedical Devices
- Clean water

Uday Wankawala (CEO, AIC-RMP) was the Head of this Nodal Centre and represented Rambhau Mhalgi Prabodhini (RMP), the lead organiser of SIH. The Centre also had the privilege to host Dr. Anil Sahasrabuddhe (Chairman, AICTE) who encouraged the students.

2nd Experts' Meet



AIC-RMP' 2nd Experts' Meet was held at Uttan, Bhayander on 4th May 2019. Twelve experts from various domains of expertise deliberated on 'New India Startup Conclave' to be held in the month of June. Eight shortlisted startups from Agriculture, ICT & Social sectors were also invited to present their ventures at this forum.



Training Programme

21st June, 2019



Dr. Kaustubh Dhargalkar (Founder-Potential & Possibilities and Mentor at AIC-RMP) conducted a Training Session on 'Importance of User Understanding' on 21st June 2019. The session was attended by 20 startups from Agriculture, ICT (Information, Communication & Technology-Healthcare & Education) sectors & social enterprises. It was an interactive session as Dr. Kaustubh shared 'REAL' examples of Innovations where Users were the main focus and also encouraged participants to think from Users' perspective first whilst building their ventures.



6 New India Startup Conclave

22nd June, 2019

6.1 Conclave Brief

To inspire, nurture & handhold budding entrepreneurs from the Indian Startup Ecosystem, Atal Incubation Centre-Rambhau Mhalgi Prabodhini (AIC-RMP) has created a unique forum, 'New India Startup Conclave', while taking the 'Strategy for New India @75' laid down by NITI Aayog forward.

The first edition of New India Startup Conclave was held on 22nd June, 2019 at RMP- Knowledge Excellence Centre, Bhayander. **Parshottam Rupala** (Union Minister of State for Agriculture and Farmers Welfare, Govt. of India) was the Chief Guest and Ramanan Ramanathan (Mission Director of Atal Innovation Mission, NITI Aayog), Dimple Mehta (Mayor of Mira Bhayander Municipal Corporation) and Padmashri Milind Kamble (Founder Chairman of Dalit Indian Chamber of Commerce and Industry- DICCI) were the Guests of Honour present at the event.



The theme of the Conclave was '**Connect... Share... GROW**'. It facilitated dialogue between entrepreneurs, mentors, experts, investors, professionals from government and corporates on critical challenges faced by startups, a space for sharing experiences, getting inspired & learning from their respective journeys.

R. Ramanan set the context by giving macro perspective on India's growth trajectory. He narrated how 'millions of challenges faced by the country (India) can be turned into those many opportunities by creating innovative solutions.' He congratulated RMP for its vision set for social change. While concluding, he remarked that Startups are the amalgamation of Solution for creating an impact in the society, Technology which is leveraged, Aspiration quotient (Big dreams), Robustness of the solution, Uniqueness and Persistence.



Parshottam Rupala expressed his pleasure over the conceptualization of this startup conclave based on the idea of 'New India' as envisioned by Prime Minister of India. He gave his best wishes to startups and thanked all the experts participating in the conclave on behalf of Government of India.

In his speech, Parshottam Rupala also gave insights on the measures taken by government to achieve the objective of doubling farmers income by 2022. He encouraged the startups to take up the challenges faced by the Agriculture sector which includes ensuring livelihood opportunities to more than 15 crore farmers with meagre landholdings, feeding more than 130 crore people of India, keeping real time farm records, scope & scale involved in the farm records, soil health management and opportunities in growing organic food.



The Conclave had three parallel tracks of presentations by startups from the following sectors:-

1. Agriculture
2. Information, Communication & Technology (Education, Healthcare)
3. Social Enterprises (Profit making/ Not for profit)

The 1st edition of New India Startup Conclave was the first step taken by AIC-RMP towards building a strong community of the key stakeholders from the startup ecosystem. The event received an overwhelming response with more than 250 participants attending the conclave as startups, experts, delegates, students as well as representatives of the press. And the multiplier effect in terms of networking, sharing and learning from each other was evident. AIC-RMP would facilitate similar such platforms every quarter in an endeavour to nurture 'New Age Entrepreneurs for New India'.



6.2 Testimonial

Startups



“Really impressed with the campus, facilities, work and excited for the potential of this AIC with your team and the mission of RMP.”

- Ananth Krishna, Shekru [Mumbai]

“The beginning of AIC- RMP journey was excellent and I am pretty sure that AIC-RMP will set another record to become one of the most successful startup ecosystem for sure.”

- Balaram Bhardwaj, MACLEC Technical Project Laboratory [Delhi]



“Fantastic experience!!! you've now set a benchmark of what and how a startup conclave should be.”

- Rajib Chowdhury, The Gamification Co. [Pune]

Panelists

“It was well organized, the selection of the projects was appropriate and the format of the program, well thought out. On the whole, it was a pleasure to be there.”

- Prof. Milind Sohoni, Centre for Technology Alternatives for Rural Areas
CTARA (IIT-Bombay) [Mumbai]



“The arrangements were fantastic at the venue. Kudos to you and team for pulling off this great event with ease.”

- Sumitra Goenka, Director & CEO-Triangle [New Delhi]

Partners

“Pleasure to be at @AicRmp with bright minds presenting their #startup ideas.”

- Sanjay Gopinath, Head of Marketing Communications, MathWorks
[Bengaluru]



“It was pleasure to be at @AicRmp with bright minds presenting their #startup ideas. Met galaxy of talented people and mentors.”

- Prof. Suhas Gajre, SGGs Institute of Engineering & Technology [Nanded]

6.3 Media Coverage

रामभाऊ म्हाळगी प्रबोधिनी
Rambhau Mhalgi Prabodhini

**ATAL
INCUBATION
CENTRE**

Supported by Atal Innovation Mission, NITI Aayog



BusinessLine
WEDNESDAY, JUNE 26, 2019

'Only India can meet the global organic food demand'

OUR BUREAU
Mumbai, June 25

Cultivating and marketing organic fruits and vegetables will turn out to be the next big business, with the growing demand and willingness of consumers to pay a premium of more than 20 per cent, said Parshottam Khodabhai Rupala, Union Minister of State for Panchayati Raj, Agriculture and Farmers Welfare.

Urging the youth to consider start-ups that focus on organic foods, he said earlier people knew only two varieties of food, namely vegetarian and non-vegetarian.

However, a third variety has arrived on the scene — 'organic food' — and hence, young people should consider venturing into the organic food business using government-supported schemes, he said.

With a vast arable land, India is the only country that can meet the organic food demand of the world and provide immense export opportunity for the country, said Rupala. He was speaking as Chief Guest at the 'New India Start-up Conclave' organised jointly by the Atal Incubation Centre and Rambhau Mhalgi Prabodhini.

More than 200 young women and entrepreneurs from various parts of Maharashtra attended the conclave to discuss business and get guidance from experts.

Ravi Pokharana, Chief Advisor, Atal Incubation Centre, gave guidance to young entrepreneurs and provided them information about government schemes for start-ups.

लोकसत्ता
27th June 2019

सॅट्रिय शेतीही उमद्या व्यवसायसंधीचा नवउद्यमी उपक्रम

मुंबई : पारंपरिक शेती व्यवसाय नवउद्यमींना आला असल्याची दहाव्यांदाच राबोधी भागात भावना असल्याने, केंद्रीय कृषी राज्यमंत्री पुरुषोत्तम रुपाला यांनी मात्र 'ऑर्गेनिक फूड' या देशात आणि विदेशात वाढती पसंती पाहता सॅट्रिय शेतीकडे एक चांगली व्यवसाय संधी म्हणून बघण्याचे युवकांना आणि महिलांना आवाहन केले आहे.

सॅट्रिय फळे आणि भाज्या तुलनेने २० टक्के जास्त पैसे देऊन लोक खरेदी करीत आहेत. देशांतर्गत मोठी मागणी आहेच, परंतु जगाला सॅट्रिय फळे व भाज्या पुरविण्याची क्षमता फक्त भारतातच आहे, याचे उद्घाटन,

रामभाऊ म्हाळगी प्रबोधिनी आणि अटल इन्क्यूबेशन सेंटर आयोजित 'न्यू स्टार्टअप कॉन्क्लेव्ह' या कार्यक्रमात ते बोलत होते. या कार्यक्रमात उपस्थित २०० हून अधिक नवउद्यमी उपक्रम मूक करणाऱ्या युवकांशी त्यांनी संवाद साधला.

केंद्र सरकारच्या शेतीपूरक उपयोजनाची माहिती देताना, जमिनीची प्रतवारी निश्चित करणारे सॅट्रिय हेल्थ काई देशातील १५ कोटी शेतकऱ्यांना देण्याचे उद्देश असल्याचे रुपाला यांनी सांगितले. आठ कोटी काई तयार झाले असून, अण्णळी सात कोटी काई शिल्लक आहेत, हाही एक चांगला नवउद्यमी व्यवसाय होऊ शकतो आणि यातून तेजऱ्यापनिमितीही होईल, असे म्हणाले.

केंद्रीय कृषी राज्यमंत्री रुपाला यांचे प्रतिपादन

विचारण, प्रक्रिया हा एक उत्तम नवउद्यमी उपक्रम ठरू शकतो, असे रुपाला यांनी येथे प्रतिपादन केले.

रामभाऊ म्हाळगी प्रबोधिनी आणि अटल इन्क्यूबेशन सेंटर आयोजित 'न्यू स्टार्टअप कॉन्क्लेव्ह'

नवभारत

ऑर्गेनिक फूड के क्षेत्र में भरपूर अवसर

व्यापार प्रतिनिधि मुंबई, केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री पुरुषोत्तम रुपाला ने कहा है कि दुनिया भर में ऑर्गेनिक फूड की मांग बढ़ रही है और भारत के पास पूरी दुनिया में ऑर्गेनिक फूड, फल-सब्जियाँ निर्यात करने की क्षमता है. नव उद्यमी इन अवसरों का फायदा उठा सकते हैं.

'न्यू इंडिया स्टार्टअप कॉन्क्लेव' में बोले रुपाला

पहले केवल शाकाहारी और मांसाहारी दो तरह के ही भोजन का प्रचलन था, लेकिन अब बदलती जीवन शैली में स्वास्थ्य के प्रति आई जागृति से लोग ऑर्गेनिक फूड, फल-सब्जियाँ अधिक खाने लगे हैं. इसके लिए लोग ज्यादा कीमत चुकाने के लिए भी तैयार हैं. जिसके कारण ऑर्गेनिक फूड क्षेत्र में व्यवसाय के नए अवसर पैदा हुए हैं. केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भार्यदर स्थित केशव सुष्टी में रामभाऊ म्हाळगी प्रबोधिनी और अटल इन्क्यूबेशन सेंटर द्वारा आयोजित 'न्यू इंडिया स्टार्टअप कॉन्क्लेव' में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे. इस मौके पर उन्होंने 200 से अधिक स्टार्टअप व्यवसाय शुरू करने वाले युवा उद्यमियों से चर्चा की और उनका मार्गदर्शन भी किया. सम्मेलन में पंचाशी मिलिंद कांबले, मीरा भाईदर की महापौर डिम्पल मेहता, अटल इन्क्यूबेशन मिशन के निदेशक रामान रामनाथन, रामभाऊ म्हाळगी प्रबोधिनी के महानिदेशक रवींद्र साठे, अटल इन्क्यूबेशन सेंटर के मुख्य सलाहकार रवि पोखरण भी उपस्थित थे.

Mumbai Edition
Jun 25, 2019 Page No. 3
Powered by : ereglo.com

दिव्य भास्कर

युवानोसो स्टार्टअप तरीके ऑर्गेनिक फूडला व्यवसायानो पियार करवो : पुरुषोत्तम रुपाला

संपूर्ण विश्वने ऑर्गेनिक फूड पुरवपासानी सभता इकत भारत पासो

मुंबई (दिवा) : केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री पुरुषोत्तम रुपाला यांनी आज मुंबईत आयोजित 'न्यू इंडिया स्टार्टअप कॉन्क्लेव' या कार्यक्रमात बोलताना म्हणाले की, ऑर्गेनिक फूड हा एक उत्तम व्यवसाय आहे. या क्षेत्रात भारताला अत्यंत मोठा अवसर आहे. भारतात अत्यंत मोठा शेतकरी वर्ग आहे. त्यांच्याकडून ऑर्गेनिक फूड हा एक उत्तम व्यवसाय हाताळता येईल. भारतात अत्यंत मोठा शेतकरी वर्ग आहे. त्यांच्याकडून ऑर्गेनिक फूड हा एक उत्तम व्यवसाय हाताळता येईल. भारतात अत्यंत मोठा शेतकरी वर्ग आहे. त्यांच्याकडून ऑर्गेनिक फूड हा एक उत्तम व्यवसाय हाताळता येईल.

तरुणा भारत

सॅट्रिय फळे, भाज्या पुरविण्याची क्षमता भारत देशामध्येच

केंद्रीय कृषीमंत्री पुरुषोत्तम रुपाला यांचे प्रतिपादन; सॅट्रिय फूडला प्रचंड प्रमाणात मागणी

प्रतिनिधी मुंबई

पूरी लोकांच्या खाण्यामध्ये दोनच प्रकार होते एक वेज आणि दुसरे नॉन वेज. आज तिसरा प्रकार निर्माण झालेला आहे. तो म्हणजे सॅट्रिय फूड-फळे-भाज्या. लोक २० टक्के जास्त पैसे देऊन सॅट्रिय फूड खरेदी करत आहेत. संपूर्ण जगाला ऑर्गेनिक फूड व भाज्या पुरविण्याची क्षमता फक्त आपल्या भारत देशामध्येच आहे, असे केंद्रीय कृषीमंत्री पुरुषोत्तम रुपाला म्हणाले.

रामभाऊ म्हाळगी प्रबोधिनी आणि अटल इन्क्यूबेशन सेंटर आयोजित 'न्यू स्टार्टअप कॉन्क्लेव्ह' कार्यक्रमामध्ये ते बोलत होते. त्यांवेळी त्यांनी २०० हून अधिक स्टार्टअप सभागृहात पर घडला.

व्यवसाय सुरू करणाऱ्या युवकांशी संवाद साधला. त्यांना मार्गदर्शन केले. हा एक दिवसीय सैमिनार भाईदर स्थित केशव सुष्टीमधील रामभाऊ म्हाळगी प्रबोधिनी येथील एकत्रित भवन सभागृहात पर घडला.

तत्प्राचीन स्टार्टअप व्यवसाय म्हणून सॅट्रिय फूडच्या व्यवसायाचा विचार करावा, सॅट्रिय फूडला प्रचंड प्रमाणात मागणी आहे. भाज्या सरकार आणि तत्प्राचीन नरेंद्र मोदी हे संपूर्ण शेतकऱ्यांच्या पाठीशी आहे. त्यामुळे

शेती हा उत्तम व्यवसाय होऊ शकतो. युवकांसाठी हा खूप मोठा नवीन उद्योग आहे. यामध्ये दुग्धदाह, अलि पाऊस, अण्णळी पाऊस, पाण्याची कमतरता या प्रकारच्या परिस्थितींचा धोका आहे. आम्ही शेतकऱ्यांच्या सोबत आहोत. मागच्या वर्षी रेकोर्ड ब्रेक रीतीने उत्पादन झालेले आहे. हे उत्पादन शेतकऱ्यांना योग्य दरात भाव देऊन देव उपपदन विकण्याचा नवीन उद्योग घेता होऊ शकतो. पुरुषोत्तम रुपाला म्हणाले. यावेळी पदमुरी निशित कांबळे, मीरा भाईदरच्या महापौर डिम्पल मेहता, रामान रामनाथन, मिशन सॅट्रिय, अटल इन्क्यूबेशन मिशन, पीपी आयएम, मुख्य सलाहकार अटल इन्क्यूबेशन सेंटर, रामभाऊ म्हाळगी प्रबोधिनी उपस्थित होते.

कृषी संवेदना – Series १ Visit to Saguna Baug, Neral



कृषी संवेदना is an initiative of AIC-RMP to impart an experiential learning through field visits to the startups from Agriculture sector.

On 20th July 2019, AIC-RMP had organised a visit to Saguna Baug, an Agro Tourism Farm located at Neral in Maharashtra, as a part of कृषी संवेदना – Series १. Twelve agripreneurs, startups, farmers and changemakers from Mumbai, Jawhar, Pune & Navi Mumbai involved in rural livelihood were invited and got the opportunity to interact with Chandrashekar Bhadsavle, the pioneer in Agrotourism.





1st April, 2019

Shri Mohan Bhagwat (Sarsanghchalak, Rashtriya Swayamsevak Sangh) visited & gave best wishes for the success of Atal Incubation Centre initiated at Rambhau Mhalgi Prabodhini



30th April 2019

Orientation session with entrepreneurs from Agritech, EdTech sectors & the winner team of Smart India Hackathon (Hardware)- 2018 edition at AIC-RMP



7th May 2019

Enriching discussions with Dr. Kaustubh Dhargalkar (Founder, Potentials & Possibilities), Ritika Arya (Founder, Young Innovators Foundation) and Amrita Nair & Rohit Kumar from Apani Shala at AIC-RMP



11th May 2019

Arvind Rege (Member, Managing Committee, RMP) conducting initial mentoring sessions with startups



11th May 2019

Sharing AIC-RMP' vision with Agricultural Scientists representing Advisory Committee of Uttan Krishi Sanshodhan Sanstha (UKSS), Keshav Srushti



25th May 2019

Launch of AIC-RMP' website (www.aic-rmp.org) in the presence of Dr. Sanjeev Singh (Head, Institute of Informatics & Communication, University of Delhi), Arvind Rege (Member- Managing Committee, RMP), Shri Ravindra Sathe (Director, AIC-RMP) and Shri Ravi Pokharna (Chief Advisor, AIC-RMP)



25th May 2019

Uday Wankawala (CEO, AIC-RMP) chairing a panel discussion on 'Reverse Pitch' at the 17th edition of the Startup Master Class in Mumbai organized by IIT Kanpur Alumni Association



5th June 2019

Orientation session with startups from EdTech and Healthcare sectors



15th June 2019

Pallavi Ramane (Incubation Manager, AIC-RMP) participating in the Immersion Program for Managers of New Incubation Centers organized by Venture Center, Pune



27th – 28th June 2019

Uday Wankawala (CEO, AIC-RMP) participating in the training program organized for CEOs of AICs & EICs, by Atal Innovation Mission, NITI Aayog at T-Hub, Hyderabad



29th June 2019

AIC-RMP encouraging students to pursue innovative ideas at 'Hands on Training & Understanding of Project to Product Building Basics' Summer Internship Program organized by SGGS Institute of Engineering & Technology, Nanded



1st July 2019

Connecting Dreams Foundation along with AIC-RMP having interactive session with NSS units of 20 colleges from Mumbai University to launch 'Connect & Change' program, shaping the dreams & innovative ideas of youngsters in achieving Sustainable Development Goals



6th July 2019

Discussions with farmers from Sangola, Solapur at RMP office, Pune, to encourage & strengthen the cooperative spirit

17th July 2019

Uday Wankawala (CEO, AIC-RMP) delivering a talk at the orientation of Entrepreneurship Cell at Jai Hind College, Churchgate, Mumbai



17th July 2019

The session on 'Idea to Venture Creation' conducted by Uday Wankawala (CEO, AIC-RMP) at SIES College, Sion



30th July 2019

Interaction with the faculty & Management of RPIMS, Bhayander about collaboration & capacity building for setting up robust innovation entrepreneurship eco-system at the campus



Edited & Published By:

Atal Incubation Centre - Rambhau Mhalgi Prabodhini,

Keshav Srushti, Uttan, Essel World Road, Bhayander (West),
Thane - 401106, Maharashtra, India

Tel No.: +91-22-28450109/10

Email Id: contact@aic-rmp.org  www.aic-rmp.org

